हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

4 जुलाई, 1977

खण्ड 1, अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 4 जुलाई, 1977

पृश्ठ संख्या

घोशणाः—	
सचिव द्वारा	(1)1
सदस्यों द्वारा भापथ या प्रतिज्ञान	(1)1
अध्यक्ष का चुनाव	(1)6
अध्यक्ष द्वारा घोशणाः—	
उपाध्यक्ष के चुनाव संबंधी	(1)22

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 4 जुलाई, 1977

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभ हाल, विधान भवन, सैक्टर 1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। कार्यवाहक अध्यक्ष चौधरी प्रताप सिंह ठाकरान, ने अध्यक्षता की।

घोशणा

सचिव द्वारा

Secretary: I have to inform the House that the Governor of Haryana in exercise of the powers vested in him by clause (1) of Article 180 of the Constitution of India has appointed Sh. Partap Singh Thakran as Acting Speaker of the Haryana Vidhan Sabha.

I have also to inform the House that the Governor of Haryana in exercise of the powers conferred on him by Article 188 of the Constitution of India, has appointed the Acting Speaker, Haryana Legislative Assembly, to be the person before whom every Member of the Haryana Legislative Assembly shall, before taking his/her seat, make and subscribe oath/affirmation.

सदस्यों द्वारा भापथ या प्रपिज्ञान

Mr. Acting Speaker: Now, the hon. Members will be sworn in. The Oath or Affirmation will be made and subscribed by the hon. Members in the following order:-

1. Chief Minister
2. Ministers
3. Chief Parliamentary Secretary
4. Lady Members
5. Other hon. Members, district wise, alphabetically in alphabetical order i.e.
    a. Ambala District;
    b. Bhiwani District;
    c. Gurgaon District;
    d. Hissar District;
    e. Jind District;
    f. Karnal District;
    g. Kurukshetra District;
    h. Mohindergarh District;
    i. Rohtak District;
    j. Sirsa District; and
    k. Sonepat District.

Now, I call upon Ch. Devi Lal to make and subscribe the Oath/Affirmation.

The Following were then sworn in:-

Chief Minister

1	Ch. Devi Lal	Bhattu Kalan
Ministers		
2	Dr. Mangal Sein	Rohtak
3	Sh. Verinder Singh	Narnaund
4	Smt. Dr. Kamla Verma	Yamunannagar
5	Sh. Preet Singh	Kalayat (S.C.)
6	Sh. Om Parkash	Rohat
Chief Parliamentary Secretary		
7	Sh. Jagan Nath	Bawani Khera (S.C.)
Lady Members		
8	Smt. Sushma Swaraj	Ambala Cantt
Ambala District		
9	Ch. Bhagmal	Sadhaura (S.C.)
10	Dr. Brij Mohan Gupta	Jagadhri
11	Sh. Kanihya Lal Poswal	Chhachhrauli
12	Sh. Lachhman Singh	Kalka
13	Ch. Lal Singh	Naraingarh
14	Ch. Sher Singh	Mullana (S.C.)

15	Sh. Sumer Chand Bhatt	Naggal
16	Master Shiv Parshad	Ambala City
Bhiwani District		
17	Thakur Bir Singh	Bhiwani
18	Sh. Hira Nand Arya	Loharu
19	Ch. Hukam Singh	Dadri
20	Sh. Ran Singh Mann	Badhra
21	Sh. Surender Singh	Tosham
22	Sh. Tek Ram	Mundhal Khurd
Gurgaon District		
23	Swami Aditya Vesh	Hathin
24	Sh. Deep Chand Bhatia	Faridabad
25	Ch. Gajraj Bahadur Naggar	Mewla Maharajpur
26	Ch. Gaya Lal	Hassanpur (S.C.)
27	Ch. Khurshid Ahmed	Taoru
28	Sh. Mool Chand Mangla	Palwal
29	Ch. Narain Singh	Pataudi (S.C.)
30	Ch. Rajinder Singh	Ballabgarh
31	Ch. Sardar Khan	Nuh

32	Ch. Shakrullah	Ferozepur Jhirka
33	Kanwar Vijai Pal Singh	Sohna
Hissar District		
34	Sh. Baldev Tayal	Hansi
35	Lala Balwant Rai Tayal	Hissar
36	Ch. Bhajan Lal	Adampur
37	Sh. Harphul Singh	Fatehabad
38	Sh. Jai Narain Verma	Barwala
39	Sh. Kanwal Singh	Ghirai
40	Ch. Karam Singh	Tohana
41	Ch. Peer Chand	Ratia (S.C.)
Jind District		
42	Ch. Birinder Singh	Uchana Kalan
43	Sh. Gulzar Singh	Rajound
44	Sh. Mange Ram Gupta	Jind
45	Ch. Ram Kishan	Safidon
46	Ch. Zile Singh Malik	Julana
Karnal District		
47	Ch. Des Raj	Indri

48	Sh. Fateh Chand Vij	Panipat
49	Master Jogi Ram	Assandh (S.C.)
50	Sh. Mool Chand Jind	Sambhalka
51	Subedar Prem Singh	Jundla (S.C.)
52	Ch. Ram Lal Wadhwa	Karnal
53	Kanwar Ram Pal Singh	Gharaunda
54	Ch. Satvir Singh Malik	Naultha
55	Ch. Shiv Ram Verma	Nilokheri
Kurukshetra District		
56	Sh. Devender Sharma	Thanesar
57	Sh. Ishwar	Guhla (S.C.)
58	Sh. Lehri Singh Mehra	Radaur (S.C.)
59	Ch. Jagjit Singh Pohloo	Pai
60	Sh. Raghu Nath Goyal	Kaithal
61	Sh. Surinder Singh Aujla	Shahabad
62	Sardar Tara Singh	Pehowa
Mahindragarh District		
63	Sathi Ayodhya Prashad	Narnaul
64	Rao Birender Singh	Ateli

65	Rao Dalip Singh	Mahendragarh
66	Sh. Inder Jit Singh	Jatusana
67	Col. Rao Ram Singh	Rewari
Rohtak District		
68	Ch. Hardwari Lal	Badli
69	Ch. Hari Chand Hooda	Kiloi
70	Sh. Har Swarup Bura	Meham
71	Sh. Jai Narain	Kalanaur (S.C.)
72	Captain Mange Ram	Jhajjar (S.C.)
73	Ch. Mehar Singh Rathee	Bahadurgarh
74	Rao Ram Narain	Salhawas
75	Brig. Ran Singh	Beri
76	Ch. Sant Kanwar	Hassangarh
Sirsa District		
77	Sh. Bhagi Ram	Ellenabad (S.C.)
78	Ch. Jagdish Kumar Beniwal	Darba Kalan
79	Sh. Mani Ram	Dabwali (S.C.)
80	Comrade Shankar Lal	Sirsa

81	Sardar Sukhdev Singh	Rori
Sonepat District		
82	Sh. Bhale Ram	Baroda (S.C.)
83	Sh. Devi Dass	Sonepat
84	Ch. Ganga Ram	Gohana
85	Ch. Rizaq Ram	Rai
86	Smt. Shanti Devi	Kailana
Mahindragrh District		
87	Smt. Shakuntla Bhagwaria	Bawal (S.C.)

अध्यक्ष का चुनाव

Mr. Acting Speaker: Now we proceed with the next item i.e. election of the Speaker.

उद्योग मंत्री (डाक्टर मंगल सैन): आज की विशय सूची में माननीय सदस्यों के भापथ ग्रहण करने के प चात् एक पावन कर्तव्य इस सदन के अध्यक्ष का निर्वाचन भी हैं।

मैं प्रस्ताव करता हूं कि हरियाणा विधान सभा के सदस्य, ब्रिगेडियर रण सिंह, जो सदन में उपस्थित हं, सभा के अध्यक्ष के रूप में पीठासीन हों।

सिंचाई तथा विद्युत मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): मैं इस प्रस्ताव का अनुमोदन करता हूं।

राव बीरेन्द्र सिंहः मैं भी इस प्रस्ताव की ताईद करता हूं।

(सर्वश्री पीर चन्द, जय नारायण वर्मा तथा अन्य माननीय सदस्यों ने भी इस प्रस्ताव का अनुमोदन किया)

Mr. Acting Speaker: Motion moved:-

The Brig. Ran Singh, M.L.A., do take the Chair of the Assembly as Speaker.

Is there any other proposal please?

(Voices: No)

Mr. Acting Speaker: Since there is no other proposal, I declare Brig. Ran Singh duly elected as Speaker and request him to take the Chair.

(At this stage Brig. Ran Singh was escorted to the Chair by the Chief Minister, Ch. Devi Lal, and he occupied the Chair) (Thumping)

उद्योग मंत्री (डा. मंगल सैन): माननीय अध्यक्ष महोदय, पांच वर्श की अवधि के प चात् पुनः इस आसन पर आपको विराजमान देखकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। 1972 में इस सदन में, न आप ही आए और न ही मुझे जनता ने यहां भेजा परन्तु 1968 से लेकर 1972 तक इस चार साल की अवधि में जब

मं विपक्ष के बैंचिज पर बैठता था तो आप इस आसन पर विराजमान होते थे। मैंने इन चार वर्शों में, सदन में, आपको अध्यक्ष के रूप में कार्य करते देखा है और अध्यक्ष के रूप में, सदस्यगए के साथ आपका बर्ताव देखा है। आपकी योग्यता में क्या कमी हो सकती है। आप एक अच्द लैजिस्लेटर और राजनैतिक है। राजनीति में प्रवे ा करने से पहले आपने अपना बहुत सारा जीवन भारत की सेवा में बिताया है। भारतीय सेना में आपने जिस योग्यता से कार्य किया, उसके नतीजे के तौर पर आप ब्रिगेडियर के उच्च तथा प्रतिश्ठित पद पर पहुंचे। वहां से रिटायर होन के बाद आपने जिस योग्यता का परिचय सेना में दिया था, उसी योग्यता का परिचय यहां इस सदन में भी दिया। आप मेरे जिला के हैं और इस नाते भी मैं आपको नजदीक से जानता हूं। जहां आप एक अच्छे सेनानी रहे हैं और राजनीति में सुलझे हुए हैं, वहां आपने विधान सभा में भी आनी अध्यक्षता के कारण अद्वितीय प्रतिभा का परिचय दिया हैं। इसके साथ ही साथ आपकी ि ाक्षा के क्षेत्र में भी बहुत लगन है। आपने पिछडे हुए ग्रामीण इलाके की उस तहसील में जिस तहसील को यह गौरव है ि उसने भारत की सेना में सबसे ज्यादा सैनिक दे ा की रक्षा के लिए भेजे हैं, ि ाक्षा फैलाने में काफी काम किया है। मेरा कहने का तात्पर्य है कि झज्जर तहसील में दुजाना और बेरी के बीच एक महाविद्यालय जो कायम हुआ है, वह आपके परिश्रम का परिणाम है। आप एक अच्छे समाज सेवी भी है। हमारे जिले की सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में आपने बहत योगदान दिया है। एक और बात जो इस

अवसर पर अगर मैं नहीं कहूंगा तो बात अधूरी रह जाएगी। वह यह है कि यह जो भाासन गया है, उसमें आप पर अध्यक्ष होने के नाते बहुत सारी पाबन्दियां थी, आपके रास्ते में निश्पक्षता से कार्य करने में बाधाएं डाली जाती थी और आप उस भाासन में बोल नहीं सकते थे, असमर्थ थे और उस भाासन को उस ताना ााही के राज को जनता ने जड़ से उखाड़ दिया। उस भाासन में लोकतन्त्र की हत्या की गई थी। लोकतन्त्र की परम्पराओं को पांव तले रौंदा गया था और हरियाणा के प्र ाासन में भ्रश्टाचार का बोल बाला था। आप एक साहसी सैनिक होने के कारण, उस भ्रश्टाचार के विरूद्ध आवाज उठाने में सर्वप्रथम रहे और आपकी आत्मा ने उस प्र ाासन के विरूद्ध बगावत की। आपने कहा, मुझे अच्छी तरह याद है कि 'हरियाणा के प्र ाासन में इतना भ्रश्टाचार है जतना कि अरब के किसी दे ा में थोड़ी सी खुदाई करने पर हर जगह तेल निकलता ह। उसी प्रकार हरियाणा मैं भी भ्रश्टाचार फैला हुआ है।' आपकी इस सच्चाई बताने की वजह से आपको पहले टिकट नहीं दिया गया, परन्तु फिर भी आप बोले नहीं और मौन साधना करते रहे और हर प्रकार की यातनाएं सहते रहे। अब जनता पार्टी की तरफ से आप इस विधान सभा में आए हैं मुझे इस बात की खु ाी है कि आप सर्वसम्मति से अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित किए गए हैं। आप इसके लिए बधाई के पात्र हैं और यह सदन भी बधाई का पात्र है, जिसने ऐसा किया। मैं समझता हूं कि हमारे सदन की, आपके सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने के लिए सारे दे ा में प्र ांसा होगी। मैं ज्यादा न कहता हुआ अपनी ओर

से और अपने दल की ओर से आपको बधाई देता हूं और आ वासन देता हूं कि हर कार्य में आपको हमारी तरफ से सहयोग मिलेगा और अच्छी से अच्छी परम्पराएं कायम करने में आपका पूरा साथ देंगे। इन भाब्दों के साथ मैं आपको बधाई देता हुआ अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

राव बीरेन्द्र सिंह (अटेली): अध्यक्ष महोदय, अपोजी ान की तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से जो इस हाउस में मेन अपोजी ान है, मैं आपको मुबारिकबाद देता हूं। मैं जाति तौर से भी मुबारिकबाद देता हूं। मेरे आपसे पुराने ताल्लुकात हैं और पुरानी दोस्ती है। आज जब आप इस कुर्सी पर विराजमान हुए हैं, तो मेरी आंखों के सामने 9 साल पहले का वही नक ाा दिखाई देता है जब 1968 में आप इस कुर्सी पर बैठे थे और मैं यहां बैठा था। उस वक्त भी मैं लीडर आफ दी अपोजी ान की हैसियत से यहां बैठा था। हमारा हरियाणा जहां और बातों में आगे बढ़ा होगा, वहां स मामले में भी इसने इस नौ साल के अर्सा में एक रैवोल्यू ान पूरी कर दी और वहीं नक ाा आज 9 साल के बाद पूरा होकर सामने आ गया। आज आप भी यहां हैं और मैं भी यहां हूं। लीडर आफ दि हाउस की जगह पर एक लाल की जगह दूसरे लाल बैठे हुए हैं (हंसी)

एक आवाज: लेकिन 'बी' बदल गई है।

राव बीरेन्द्र सिंहः अक्षर उतने ही हैं। बंसी लाल की जगह देवी लाल हैं। सिर भी वही है, पैर भी वही हैं, लेकिन धड़ मे फर्क हैं, इनका लम्बा है। खैर स्पीकर साहब, आपको यह कुर्सी सजती है। आने पहले भी स्पीकर रह कर हाउस के दोनों तरफ का इतमाद हासिल किया और बड़ी खु ाअसलूबी के साथ अपने फरायज को निभाया है। मैं उम्मीद करता हूं कि अब भी आप उसी तरह से अपन फरायज को सरअन्जाम देंगे और जम्हूरी रवायात इस हाउस में कायम करेंगे। चौधरी देवी लाल तो मुझे कुछ इस कुर्सी पर मिस फिट से नजर आते है (हंसी)। वैसे इस कुर्सी पर 'बी' का हर्फ ठीक नहीं रहता। मैं भी इस पर बैठा था, लेकिन चार रोज स्पीकर रहने के बाद मुझे इस कुर्सी ने फैंक दिया। इसके बाद हरियाणा मिनिस्टरी में 'बी' ही चलता रहा। पहले भगवत दयाल आए थे। इसके बाद मैं (बीरेन्द्र सिंह) आया, फिर बंसी लाल और आखिर में बनारसी दास आए थे। इससे ऊपर भी 'बी' का ही राज रहा और वो थे बीरेन्द्र नारायण चक्रवर्ती। ख्याल तो अब भी ऐसा ही था कि कोई और 'बी' निकलेगा लेकिन वह चेहरा नजर नहीं आता और किसी 'बी' की जगह 'डी' ने कब्जा कर लिया है।

एक आवाजः 'बी' लगा दिया कोल्ड स्टोरेज में।

राव बीरेन्द्र सिंहः अब देखते हैं कि आपकी अध्यक्षता में यह तब्दीली हरियाणा की हकूमत में किस तरह रास आती है। सूबे की तरक्की होती है या फिर लोग महसूस करते हैं कि 'डी' की बजाय 'बी' ही बेहतर था। आपसे हमें बहुत उम्मीदें हैं और इसमें

भाक नहीं कि आपका काम भी बहुत सख्त है और खास तौर पर इस वजह से कि बड़ी भारी मैजोरिटी ट्रेजरी बैंचिज के उपर है लेकिन मैं तो आपसे यही आ ाा रखूंगा कि आप इस बात का ध्यान रखेंगे कि इस कुर्सी की चारों टागें सारे हाउस की हैं। हाउस में तीन चौथाई मैजारिटी हो सकती है और ज्यादा भी हो सकती है, लेकिन एक बात आप जरूर मानेंगे कि तीन टांगें आपकी कुर्सी की चाहे कितनी मजबूत हों, लेकिन जब तक चौथी टांग मजबुत न हों आपको आराम नहीं मिल सकेगा। आप इस बात का भी ख्याल रखेंगे कि हाउस में चाहे 75 मैंबर उधर बैठे हैं, लेकिन जो 15 मैंबर इधर बैठे हैं इनको भी जनता की मैजोरिटी हासिल हैं। जनता पार्टी ने हरियाणा में 44 फीसदी वोट लिए हैं और 56 फीसदी जो बाकी रह गए हैं वह इन 15 के पीछे। (हंसी) आप इस बात का ख्याल रखें।

स्पीकर साहब, आपके चुनाव के बाद डिप्टी स्पीकर का चुनाव होगा। मैं आपसे दरख्वास्त करूंगा कि हरियाणा में वह रिवायात डाली जाए, जो लोक सभा में हैं। तमिल नाडू ने भी इसी रिवायत का फालो किया हैं। जिस तरह लोक सभा में अपोजी ान की तरफ से होना चाहिए। मैं अपोजी ान की तरफ से हाउस को सलाह दूंगा कि डिप्टभ स्पीकर अपोजी ान की तरफ से हो। आपस में मिलकर काम अच्छा होगा। इसके अलावा बहुत सी हाउस कमेटियां हैं। आप जानते हैं क्योंकि आपको इस पद का तजुर्बा हैं। लोक सभा में भी रिवायत हैं कि पी0 ए0 सी0 और एस्टीमेट्स

कमेटियों के चेयरमैन अपोजी ान के हैं, इसी तरीके से हरियाणा में भी अपोजी ान के चेयरमैन होने चाहिए। (व्यवधान)

एक आवाजः सारी बातें हाउस में ही क्यों मंजूर करवाते हो। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज, नो इन्ट्रप ान। (व्यवधान)

राव बीरेन्द्र सिंहः अगर ऐसी रिवायत यहां हो, तो जम्हूरियत को मजबूत करने में और सरकार के काम की निगरानी करने में और जनात की नुमायंदगी करने में मदद मिलेगी इनके अलावा कई दूसरी कमेटियों भी हैं,जो आपने खुद बनानी हैं, उन में भी अपोजी ान का ख्याल रखा जाए, ताकि अपोजी ान सरकार के गलत कारनामों को चैलेज करते रहे, इन पर निगरानी करती रहे और चैक करती रहे। अपोजी ान का काम इसी ढंग का हैं। जहां जनता ने चौधरी देवी लाल के जिम्मे एक काम डाला हैं कि हकूमत के काम की निगरानी करें और अगर हकूमत गलत काम करे जो काम इन पिछले सालों में किए हैं, वही काम यह हकूमत भी करना भुरू करें, तो हम अपोजी ान वालों का फर्ज हैं कि इनका ख्याल रखें। स्पीकर साहब, आप दोनो तरफ से पूरा सहयोग हासिल करेंगे, हमारी तरफ से पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा।

स्पीकर एक दो बातें और सरसरी तौर पर अर्ज कर दूं। स्पीकर का एक और बड़ा फर्ज होता हैं हमारी सरपरस्ती के नाते से। वह हैं मैंम्बरों के आराम का ख्याल रचना। होस्टलके अन्दर

फूड के अरेंजमैंट पर अपाको पर्सनल तवज्जोह देनी पड़ेगी। मेरे देखने में आया हैं कि फलर्ट तो अलाट हो गए हैं लेकिन बिजली नहीं हैं, पानी नहीं हैं। बिजली का महकमा बदकिस्मती से यू0 टी में हैं। वे कहते हैं कि बिजली–पानी के बिल एरियर में हैं पहले उनका भुगतान करो। पीछे जो मैंबर रह कर चले गए हैं, उनके जिम्मे चार–चार पांच–पांच हजार रूपया एरियर खड़ा हैं, इसी वजह से वे कुनैक ान नहीं देना चाहते। इस पैसे को असैम्बली भरे या सरकार दें, इस बात का फैसला लीडर आफ दि हाउस करें ताकि नए मैंबरो को कोई तकलीफ न हो। इन भाब्दों के साथ–साथ मैं आपको एक बार फिर मुबारिकबाद देता हूं।

श्री कन्हैया लाल पोसवाल (छछरौली): स्पीकर साहब, इस पद पर विराजमान होने के लिए मैं आपको मुबारिकबाद पे ा करता हूं। मुझे भी आपके साथ काम करने का फख्र हासिल हैं और उस दौरान में मैंने देखा था कि आपने अपनी तरफ से अपोजी ान को और ट्रेजरी बैंचिज को बहुत अच्छी तरह से बोलने का टाईम दिया, सब की बातें सुनी और बड़ी हैल्दी टैडी ान्ज डाली। आपका पिछला तजुर्बा, आपकी आर्मी की सर्विस, आपकी कुर्बानियां और आज फिर अध्यक्ष के पद पर चुना जाना, हाउस के लिए बहुत फख्र की बात हैं। स्पीकर साहब, मैं आपके जरिए लीडर आफ दि हाउस को कहना चाहता हूं कि मैं और मेरी पार्टी, हैल्दी और कंस्ट्रक्टिव सहयोगी देगी और जो अच्छा काम गवर्नमैंट करेगी उसमें सहयोग देगी। मैं आपसे भी यही कहना चाहता हूं कि

आपके साथ हमारी पार्टी पूरा सहयोग देगी। इन लफ्जों के साथ मैं आपको फिर मुबारिकबाद देता हूं।

श्री लछमन सिंह(कालका): स्पीकर साहब, इस भाानदार ओहदे पर चुने जाने सके लिए मैं आपको अपने अकीदत के फूल पें ा करता हूं और दिल मुबारिकबाद देता हूं। मैं अपने नेता चौधरी देवी लाल जी को भी मुबारिकबाद बाद देता हूं, जिन्होंनें आपको ऐसे मौके पर इस पद के लिए चुना जिस वक्त कि इस हाउस को आपकी बड़ी सख्त जरूरत थी। इसके साथ ही साथ इस हाउस के मैंबर साहेबान को भी मुबारिकबाद पे ा करता हूँ, जिन्होंनें खु ाअसलूबी और मुत्तफका राय से आपको चुना। यहां हमारे दोस्त राव साहब ने कहा कि स्पीकर की जिम्मेदारी अपोजी ान के साथ भी उतनी ही हैं, जितनी कि रूलिंग पार्टी के साथ हैं। मैं बिल्कुल इस बात का हामी हूं। डैमोक्रेसी के अन्दर, स्पीकर की जिम्मेदारी न्यूट्रैलिटी की हैं, इसमें कोई भांका नहीं हैं। हरियाणा के अन्दर 9 सालों से एमरजेंसी चल रही थी और हरियाणा की जनता ने इस एमरजेंसी से निजात हासिल करने के लिए इन मैंम्बरों साहेबान को अपना नुमायंदा चुनकर भेजा हैं और इन मैंबर साहेबान ने आपको अध्यक्ष पद पर चुना हैं। हम आपसे उम्मीद करते हैं कि आप इस पद में कुरप् ान फैली हुई थी। और अब भी मैं आपसे यही उम्मीद करता हूं कि जिस काम को करने के लिए आपका दिल और दिमाग न माने, उसको करने के लिए यह बात होनी चाहिए। हाउस के मैंबर साहेबान यह उम्मीद करते

हैं कि आप पूरा–पूरा इन्साफ करेंगे। इसके अलावा मैं एक बात कहना चाहता हूं। बहुत सारे हाउसिज उनको मिले हैं, जो रिर्जव नहीं करतें। मैंबर साहिबान को चण्डीगढ़ में रहने के लिए मकानों की जरूरत हैं। तीसरी अर्ज मैं करना चाहता हूं कि बहुत सारे मैंबर साहिबान नए हैं, हाउस की प्रोसीडिगंज से वाकिफ नहीं, लेंकिन आहिस्ता–आहिस्ता सबको पता लगा जाएगा। इसलिए मेरी आपसे दरख्वास्त हैं कि अगर कोई मैंबर गलती करें तो आप क्षमा करने की कोि ा ा करेंगे और हमें नेक रास्ता दिखाएंगे। जहां हाउस की तमाम जिम्मेवारी आपके ऊपर हैं, वहां मैं आपके दरख्वास्त करूंगा कि जो नए मैंबर आए हैं, उनको बोलने के लिए टाईम ज्यादा दें इस तरह उनकी हिम्मत बढेगी और तर्जबा होगा। जनता ने इनको चुनकर भेजा हैं और जनता जानना चाहती हैं कि जिन लोगों को चुनकर उसने असैम्बली में भेजना वे उनके हलके के बारे में क्या बोलते हैं। इसलिए नए मैंबरों को ज्यादा से ज्यादा टाईम देने की कृपा करें।

स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि जितने 'बी' बनें, चौधरी देवी लाल का उनको बनाने में बहुत हाथ था। इन्होंनें ही उन्हें चीफ मिनिस्टर बनाया। (विघ्न) एक चीफ मिनिस्टर एमरजैंसी के दौरान बना था जब ये जेल में थे। 'वी' वाला राहू केतु ग्रह जो हमारे ऊपर चढ़ा था, वह अब खत्म हो गया हैं। अब वह जमाना आने वाला नहीं हैं। आज तो चौधरी देवी लाल की और हरियाणा की जनता आंखें उठाकर देख रही हैं। उन्हें इनसे बहुत

सारी उम्मीद हैं। वे समझते हैं कि चौधरी देवी लाल जिन्होंनें अपनी 30 साल की जिन्दगी सिर्फ हरियाणा बनाने के लिए व्यतीत कर दी, वे हरियाणा की भाक्ल को किस तरह से चेंज कर सकते हैं।

एक अर्ज स्पीकर साहब, मैं और करना चाहता हूं। जिस हल्के से मैं चुनकर आया हूं उसका ध्यान उसके मैंबरों का ध्यान आप खास तौर पर ज्यादा रखें, क्योंकि हम बहुत लाल जी को मुबारिकवाद पे ा करता हूं।

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): स्पीकर साहब, आपको तो मुबारिकबाद देनी ही थी जबकि हरियाणा के सारे मैंबरान ने आपको मुत्ताफिक तौर पर चुना, लेकिन आपके साथ–साथ मैं हाउस को भी मुबारिकबाद देता हूं, क्योंकि आज हाउस बड़ी खुली और आजाद हवा में बैठ रहा हैं। ऐमरजैंसी के जमाने में जहां जुडीि ायर की ताकत छीन ली गई थी , उसके साथ ही लैजिस्लेचर की ताकत भी छीन ली गई थी और उन दिनों में ऐसे हालात पैदा कर दिए गए थे कि प्रिवलेज के नाम पर मैंबरान की एक्सपैल करने लगे थे। इसके लिए मैं चौधरी हरद्वारी लाल को भी मुबारिकाद देता हूं। उन्होंनें एक मिसाल कायम की। हाईकोर्ट में जाकर के जो छीनी हुई ताकत थी, वह इन्होंनें वापिस ली। लेकिन आपको मैं इस वास्ते भी ज्यादा मुबारिकबाद देता हूं। उन्होंनें एक मिसाल कायम की। हाईकोर्ट में जाकर के जो छीनी हुई ताकत थी, वह इन्होंनें वापिस ली। लेकिन आपकों मैं इस वास्ते और भी

ज्यादा मुबारिकबाद देता हूं कि आपके वे लफ्ज सारें हिन्दोस्तान के लोगों के कानों में गूंज रहे हैं जो प्रधानमंत्री को आपने एक पत्र मे लिखे थे। आपेन लिखा था कि अरब दे ाों में तो अगर कुदाल मारा जाए, तो तेल निकलता हैं, लेकिन हरियाणा में जहां कुरेदी वहां कुरप ान निकलती हैं। उसका सबूत आजकल सी0 बी0 आई0 की इनक्वायरों में मिल रहा हैं और वह सब तो ंजल्दी मुझे काफी सहयोग दिया, लेकिन अफसोस के साथ कहता हैं कि चूकिं वे बी की सरकार के दौर में हरियाणा की बैकवर्डनैस को खत्म नहीं कर पाए, इसी वास्ते जनता ने हरियाणा की डिवैल्पमैंट करने के लिए 'डी' की सरकार को चुना। स्पीकर साहब, मैं आपकी मार्फत हाउस में यकीन दिलाता हूं। इसके यकीन दिलाना चाहता हूं कि मैं अपने तरफ से पूरा प्रयत्न करूंगा कि हरियाणवी की डिवैल्पमैंट मैं कोई कमी न रहे। इसके साथ ही अपोजी ान से भी यह उम्मीद करता हूं कि वह भी अपना सहयोग दें। उनकी तामीर नुक्ताचीनी को मैं बहुत पसन्द करूंगा क्योंकि बगैर नुक्ताचीनी के हम भी ठीक रास्ते पर चल नहीं सकते। राव वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा था कि अगर सरकार सही रास्ते पर नही चली, तो उन्हें वही तरीका अख्तियार करना पड़ेगा, जो पहले हमको करना पड़ा थां। राव साहब वह रास्ता बहुत मु कल हैं जो हमने अख्तियार किया था। यह आपके बस का रोग नहीं हैं, उन तरीकों में काफी दिक्कतें उठानी पड़ती हैं। जेल की भी हवा खानी पड़ती हैं। मैं तो चाहूंगा कि अगर हम गलत रास्ते पर चलें, गल्तियों करें, तो अपोजी ान को चाहिए कि वह बाहर जाकर पब्लिक अपोनियन

हमारे खिलाफ बनाए और जिस तरह हमने इनको कान पकड़कर बाहर निकाला हैं, उसी तरह वह हमें निकाल। जनता–जनार्दन जो राज तिलक लगा सकती हैं, वह ठोकर मार कर गद्दी से भी उतार सकती हैं। मुझे मालूम हैं कि अगर हम गल्ती करेंगे तो जिस तरह से जनता ने पिछली लोकसभा और असैम्बली इलैक ान में पिछली सरकार का हाल किया हैं, वही हालत हमारी भी हो सकती हैं। इन भाब्दों स्पीकर साहब, मैं आपको दिली मुबारिकबाद देता हैं।

चौधरी संत कंवर हसनगढ़: माननीय अध्यक्ष जी, मैं विधान सभा में जो नए लोग चुनकर आए हैं, उन नौजवानो की तरफ से आपको मुबारिबाद देता हूं और आपसे उम्मीद रखता हूं कि हम नए आदमियों का आप लगातार मार्ग द र्न करते रहेंगे। जिन परम्पराओं का हमें पूरी तरह ध्यान नहीं हैं, उन विधान सभा की परम्पराओं के बारे में आप हमें हमे ाा जानकारी देने की कोि ा ा करते रहेंगे और अगर कोई गलती किसी मैंबर से अनजाने में हो जाए, तो क्षमा करने की कृपा करेंगे। मैं सदन के नेता चौधरी देवी लाल जी को भी हार्दिक मुबारिकबाद देता हूं जिन्होंनें लगातार सघर्श करके इस हरियाणा को बनाया था। आज हरियाणा की जनता 'बी' से 'डी' चाहती हैं। चौधरी देवी लाल की तरफ सारे हरियाणा की नजर हैं। हरियाणा के नौजवानों चौधरी देवी लाल को पूरा सहयोग देते रहेगे और हम उम्मीद करते हैं कि इनकी रहनुमाई में हरियाणा दिन दुगनी और रात चौगुनी तरनक्की

करेगां इन भाब्दों के साथ, अध्यक्ष महोदय, मै आपको एक बार फिर बधाई देता हूं।

चौधरी गंगा राम (गोहाना): आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी, आज दो किस्म की जनता पार्टी यहां बैठी हुई हैं। एक तो राजतन्त्र को अपने हाथ में लेकर बैठी हैं ओर दूसरी वह जनता पार्टी हं जिसने इस जनता पार्टी को अपनना खून तो दिया था लेकिन वह हलधर का नि ाान नहीं ले सकी। अध्यक्ष महोदय, आप सुनकर हैरान होंगे कि चौधरी बंसी लाल के राज में 18 बार मुझे जेल में जाना पड़ा हैं। खैर, मैं उन बातों में न जाते हुए अपनी इस छोटी सी जनता पार्टी की तरह से आपको यह वि वास दिलाता हूं कि जनता पार्टी के अच्छे कामों में और आपके अच्दे कार्यो में हमारा पूर्णत सहयोग होगा। मैं आपको यह भी वि वास दिलाना चाहता हूं, जैसा राव साहब ने कहा कि अपोजी ान के हम 15 आदमी यहां जीत कर आए हैं, जिन्होंनें बंसी लाल जैसे ताना ााह के साथ हमे ाा आवाज मिलाई और उसकी जुतियों के पीछे भागते रहे ऐसे व्यक्तियों के साथ हम अपोजि ान में मिलकर काम नहीं करेंगे। स्पीकर साहब, मुझे वि वास हैं कि जो लोग सरकार में रहकर ताना ााह बने हुए थे और जिन लोगों का सरकार में कुछ ओहदा भी नहीं था लेकिन वैसे ही हरियाणा के ताना ााह बने हुए थे वे अपने आपको सुधरने की कोि ा ा करेंगे। मैं चौधरी देवीलाल को अच्छी तरह जानता हूं। उनको हरियाणा के लिए भाुरू से ही बहुत कुर्बानी रही हैं। ऐमरजैंसी मे

भी और इलैक ान में भी हमने उनका साथ दिया हैं इस लिए मैं ज्यादा न कहते हुए आपको मुबारिकबाद देता हूं और यह अर्ज करता हूं कि हरियाणा की जनता ने जिस वि वास के साथ उनकी वजारत बनाई हैं उसे वे कम नहीं होने देंगे और हरियाणा में जितने कुकर्म हुए हैं, पाप हुए हैं उन सबका एक–एक करके बदला लेंगे। इन भाब्दों के साथ मैं सभी का धन्यवाद करता हूं।

कामरेड भांकर (लाल सिरसा): स्पीकर साहब, आज हाउस के अन्दर अध्यक्ष महोदय का चुनाव जो सामूहिक राय से हुआ है यह बहुत खु ाी की बात हैं और इस बात की चर्चा सारे दे ा में चलेगी। वैसे तो हरियाणा के अन्दर मुख्य मंत्री का चुनाव भी चुनाव भी बिना मुकाबले के हुआ था और वह भी बहुत बिना मुकाबले के हुआ था और वह भी बहुत बड़ी बात थी मगर अध्यक्ष पद के लिए जो दूसरा चुनाव किया हैं यह दे ा में एक बहुत बड़ी बात हैं और इसकी चर्चा सारे दे ा में चलेगी। मैं अध्यक्ष महोदय से यह आ ाा रखता हूं कि इस सभा कि कार्यवाही को आप निश्पक्ष ढंग से चलाएंगे और इस बात की चर्चा सिर्फ हरियाणा में ही नहीं बल्कि सारे दे ा के अन्दर होगी। आज जहां भी चीफ मिनिस्टर का चुनाव होता हैं और अध्यक्ष का चुनाव होता हैं वहां पर बहुत बड़ा मुकाबला हुआ हैं और कई जगहों पर तो एक या दो वोटों से ही लीडर आफ दि हाउस चुना गया हैं लेकिन हरियाणा ने एक मिसाल कायम की हैं कि इत्तफाक राय से नेता का चुनाव किया हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात सदन में जाहिर कर देना चाहता हूं कि हरियाणा में मध्यम श्रेणी के लोग, गरीब लोग, इस हरियाणा के कर्मचारी जो पिछले दिना ऐमरजैंसी के दौरान ऐजीटे ान के दौारा नौकरी से निकाले गए, उनकी छंटनी की गई, उनकी विकटेमाईजे ान की गई उनके बारे में हमारे नेता सोच–विचार कर कोई फैसला लेंगे जिस प्रकार से आल इंडिया के अन्दर रेलवे मिनिस्टरों ंश्री मधु दंडवते ने रेल कर्मचारियों के बारे में लिया हैं। हरियाणा के अन्दर कर्मचारियो के साि ऐजीटे ान के दौरान, बिजली कर्मचारियों के साथ, टीचर्ज के साथ जो भी अत्याचार हुए उनके बारें में आज हरियाणा के अन्दर कर्मचारी वर्ग इस इन्तजार में हैं कि मुख्य मंत्री महोदय कोई फैसला सुनाएंगे, चूंकि अब एक नया हरियाणा बनने जा रहा हैं। हरियाणा का नेता नया बना हैं अब हमारे साथ इन्साफ किया जाएगा।जुल्म के खिलाफ जो लड़ाई पिछले तीस साल से लड़ी जा रही थी वह जुल्म खत्म हो जाएगा। अन्त में फिर एक बार मैं आपको मुबारिकबाद देता हूं।

श्री दीप चन्द भाटिया(फरीदाबाद): अध्यक्ष महोदय, बड़ी खु ाी की बात हैं कि आज सारे मैम्बरान ने इकट्ठे होकर, सर्वसम्मति से हमारे अध्यक्ष महोदय का चुनाव किया हैं। यह हरियाणा के लिए तथा भारत के लिए बड़ी खु ाी की बात हैं, बहुत ऊंची बात हैं। इसके साथ–साथ मैं चौधरी देवीलाल, जो हमारे हरियाणा के चीफ मिनिस्टर हैं, उनको भी मुबारिकबाद देना

चाहता हूं कि उन्होंनें फरीदाबाद के अन्दर जो वाका पिछले दिनों में हुआ चौधरी देवी लाल ने उसके बारे में सक्त कार्यवाही की और पुलिसमैंन जिन्होंनें जूल्म किया उनको संस्पेड किया और ट्रांस्फर किया। मुझे चौधरी देवी लाल से पूरी आ ाा हैं कि वे हरियाणा से करप् ान को दूर करेंगे और यही चीज हरियाणा की जनता चाहती हैं कि करप् ान हरियाणा से दूर होनी चाहिए। मैं एक बार अध्यक्ष महोदय आपको फिर बधाई देता हूं।

श्रीमति भाांति देवी (कैनाल): अध्यक्ष महोदय, मैं आज गौरव अनुभव कर रही हूं कि जिस सैनानी ने इतने वर्श तक सनेा में रहते हए हमारे दे ा की सेवा की आज वही व्यक्ति इस सदन के महान पद पर सर्वसम्मति से चुना गया हैं। मुझे पूरी अम्मीद हैं कि आप सदन की परम्पराओं को भी इसी प्रकार बगैर किसी भेद–भाव के निभाएंगे और जो मान सम्मान पहले हासिल किया हैं उसमें और भी वृद्धि होगी। मैं अपनी ओर से इस अध्यक्ष पद पर चुने जाने के लिए आपको बधाई देती हूं। इसके बाद मैं अपने मुख्य मंत्री से कहूंगी कि मुझे सब से पहली खु ाी तो इस बात की हैं कि सर्वसम्मति से हमारे मुख्य मंत्री का चुनाव हुआ और साथ ही आज इस बात की भी खु ाी हुई हैं कि अध्यक्ष का चुनाव भी सर्वसम्मति से हुआ हैं।

मैं चौधरी साहब का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंनें महिलाओं को आदर देकर सदन का सम्मान बढ़ाया हैं। चौधरी साहब ने महिलाओं को पूरा न्याय दिया हैं जिसके लिए वे सच्चे

अधिकारी थी। मीसा के अन्दर हमारी बहनों ने 19 महीनों तक भाइयों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर कश्ट सहे हैं लेकिन अपने अधिकारों को नहीं छोड़ा। मै। आ ाा करती हूं कि चौधरी साहब आगे भी महिलाओं का ख्याल रखेंगे और उसी सुझ बूझ से निर्णय लेगे जिस प्रकार वे पहले लेते रहे और जो भाई भतीजावाद और घटिया बातें होती रही हैं उनको खत्म करेंगे। टीचर्ज के बारे में बड़ा बावेला मचा था, बड़ा भाोर मचाया गया। मैं कहना चाहती हूं कि अध्यापक भी अपने दे ा के हैं, भारत के नागरिक हैं, उन्हें भी सम्मान से जीने का अधिकार हैं। उनको किसी चीज से क्यों वचित रखा जाए। चौधरी साहब ने एक नई परम्परा कायम की हैं। आप सदन के अन्दर सात अध्यापक चुनकर आए हैं। परमात्मा की कृपा से जितने खड़े थी सभी चुनकर आ गए हैं इसके लिए मैं चौधरी साहब को बधाई देती हूं और आ ाा करती हूं कि 'डी' वाली बात वह नहीं भूलेंगे और हरियाणा के अन्दर डिवेलपमेंट की परम्परा को कायम रखेंगे। मैं एक बात और कहना चाहती हूं कि जिन लोगों को विकेटमाइज किया गया हैं, जिन लोगों ने कश्ट सहे हैं उनकी ओर वि ोश ध्यान दिया गया हैं। आज भी कितने ही लोग हैं जिनको नौकरी से निकाला गया, विकटेमाइज किया गया और दूसरे तरीकों से तंग किया गया। मैं उम्मीद करती हूं हरियाणा सरकार और चौधरी साहब पहला कदम उस वर्ग के लिए दइापएंगे जो बेचारे नौकरी खो बैठे हैं। उन लोगों की वि ोश सुनवाई होनी चाहिए। इन भाव्दों के साथ मैं एक बार फिर चौधरी रणसिंह जी को बधाई देती हूं।

स्वामी आदित्य वे ा (हथीन): अध्यक्ष महोदय, सब से पहले मैं आपको अध्यक्ष पद के लिये सर्वसम्मति से चुने जाने के लिये हार्दिक बधाई देता हू। इस के साथ साथ हरियाणा की जनता को भी धन्यवाद देता हूं कि जिसने जनता पार्टी को यहां पर 83 परसेन्ट वोटों के बहुमत से चुनकर भेजा हैं और इन इलैक ानों में सैन्ट परसैन्ट जनता पार्टी की जीत हुई। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि यहां हमारे सामने खम्भे के ऊपर जो लक्ष्य लिखे हुए हैं कि ''सभा में या प्रवे ा न किया जाये या यदि प्रवे ा किया जाये तो सच्च और स्पश्ट बात कही जाये क्योंकि बहुत बोलने से या गलत बोलने से दोनों स्थिति में मनुश्य पाप का भागी बन जाता हैं।'' हम सभी सम्माननीय सदस्यों को उनका पूरनी तरह से पालन करना चाहिये और उन्ही लक्ष्यों की अवहेलना होगी तो हम सब पाप के भागी बनेंगे। इसलिये हम सभी सम्मानीय सदस्यों को इस तरफ पूरा ध्यान देना चाहिये।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ–साथ मैं आपका ध्यान एक और बात की और दिलाना चाहता हूं कि मेम्बरों के रहने को कोई पूरा इन्तजाम नहीं हैं, एक–एक मेम्बर के कमरे में दो–दो तीन–तीन मेम्बर घूसेड़ रखे हैं, गावों से लोग आ कर बैठे हैं किसी के लिये कोई जगह वगैरह का इन्तजाम नहीं हैं अगर रिहाय ा की तंगी है तो काम से कम आप यह कृपा करवा दें कि खुली जगह पर टैन्ट वगैरह का इन्तजाम करवा दें ताकि हम लोग आराम से रह सकें। अन्त में इन भाब्दों के साथ मै आपका एक

बार फिर अध्यक्ष पद पर चुने जाने पर हार्दिक धन्यवाद करता हूं और आपको बधाई देता हूं।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां): अध्यक्ष महोदय, मैं आपको अध्यक्ष पर सर्वसम्मति से चुने जाने के लिये हार्दिक बधाई देता हूं। इसके साथ साथ मैं आप से आ ाा रखूंगा कि हमारी जो पुरानी कन्वेन् ानज हैं उनको बदलने में आप लीड लेंगे। जैसे मैंने अध्यक्ष महोदय, एक दो घण्टे के एक्सपीरिऐंस से देखा हैं कि जो माननीय सदस्य अगली पंक्तियों में बैठने वाले हैं उनकी तरफ पहले उंगली उठाई जाती हैं, उनको बोलने के लिये कम समय दिया जाता हैं और जो पीछे बैठने वाले सदस्य हैं उनको समय नही दिया जाता। सो आप से हम यह उम्मीद करते हैं कि हरेक मेम्बर से चाहे पीछे हो या आगे बैठने वालें हों, एक तरह का व्यवहार किया जाएं। जो पीछे बैठते हैं उन्हें समय दिया जाता। सेा आप से हम यह उम्मीद करते हैं कि हरेक मेम्बर से चाहे पीछे हो या आगे बैठने वाले हो, एक तरह का ही व्यवहार किया जाए। जो पीछे बैठते हैं उन्हें भी समय दिया जाए ताकि वे भी अपनी भवनाओं को यहां जनता के सामने रख सकें। अभी–अभी हमारे उद्योग मंत्री महोदय ने कहा कि पिछले नौ सालों से इस प्रान्त के अन्दर भ्रश्टाचार फैला हुआ था। हमारे एक दूसरे भाई श्री गंगा राम जी ने भी जोकि एक छोटी जनता पार्टी के सदस्य हैं, एक बात कही। भ्रश्टाचार तो दूर होगा जब होगा पर हमारे उस भाई ने उसका एक नमूना अभी पे ा कर दिया हैं कि किस तर से बड़ी

जनता पार्टी से छोटी जनता पार्टी बनी। मेरा कहने का मतलब अध्यक्ष महोदय यह हैं कि हमारे जो नौजवान भाई चुन कर आए हैं उनको भी अपनी भवनाओं को प्रकट करने का मौाक मिलना चाहिये। अन्त में मैं फिर आपके यूनैनीमस इलेक ान के लिये हार्दिक बधाई देता हूं।

श्री लहरी सिंह मैहरा रादौर – (अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, मैं आपको सर्वसम्मति से चुने जाने क लिये हार्दिक बधाई देता हूं। जब 1968 में आपका अध्यक्ष पद के लिये इलैक ान हो रहा था तो मैं इस पीछे वाली गैलरी में बैठकर आपका इलैक ान देख रहा था और आज हमने अपनी राय से आपको इस पद पर आसीन किया हैं यह बहुत खु ाी की बात हैं। हमारे मुख्य मंत्री महोदय जी ने जो यह फैसला लिया है उसके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं। सब से बड़ी मुबारिबाद तो मैं आज इस हरियाणा की जनता को देना चाहता हूं कि जिसने कांग्रेस पार्टी को बूरी तरह से हराकर जनता पार्टी को इस हाउस में सम्मान दिया हैं और हमें यहां बैठने का मौका दिया हैं। चौधरी देवी लाल जी ने इस हाउस में जो 'डी' भाब्द का इस्तमाल किया है उसकी बिनाह पर मैं उम्मीद करूंगा कि मेरे हल्के की तरफ भी जो कि चौधरी बंसी लाल जी ने बिल्कुल इग्नोर कर रखा था ध्यान दिया जाएगा, लोगों की मु ि कलातों को दूर किया जाएगा। अन्त में मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि अपने मुझे यहां बोलने

का मौाक दिया और एक बार फिर आपको इस अध्यक्ष पद पर चुने जाने के लिये बधाई देता हूं।

श्री सुरेन्द्र सिंह (तो ाम): अध्यक्ष महोदय, आज आपको हरियाणा की नयी विधन सभा के अध्यक्ष के रूप में देखकर सारे हाउस को बहुत खु ाी हो रही हैं। मैं आपको इस पद पर चुने जाने के लिये बधाई देता हूं। आपको बधाई देने के बहाने इस सदन के सम्मनित सदस्यों ने कई ऐसी बाते कही, बेहतर होता अगर वे बातें राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर कही जाती। चौधरी देवी लाल जी इस सदन के नेता हैं जिनका मैं सही मायनों में उतना ही आदर करता हूं जितना बाप के बड़े भाई ताऊ का आदर करते हैं (ाोर) चौधरी देवी लाल जी स्पीकर साहब, मैं आप से प्रार्थना करूंगा कि अगर चौधरी देवीलाल जी या कोई और बोलना चाहे तो मेरे बाद उसे वक्त दे दें यह तो चौधरी देवीलाल जी से आप पूछें अगर मेरे ताल्लुकात उन से इस कदर न रहें हो तो (ाोर)

एक आवाजः आगे आगे देखना होता हैं क्या....।

श्री सुरेन्द्र सिंहः जहां तक आगे आगे की बात हैं ता हम उसी तरह से तैयार हैं जिस तरह से पहले तैयार थे। आज इस सदन में चौधरी देवीलाल जी जो सदन के नेता हैं, ने कहा कि 'बी' का वक्त गया और 'डी' का वक्त आ गया। वैसे हरियाणा प्रान्त की जनता ने 90 एम0 एल0 एज0 में से 75 को यहां भेजा हैं

बहुत भारी वि वास दिया हैं जनता पार्टी को। मैं जनता पार्टी को बड़े बेहतरीन तरीके से जानता हूं। यह वही जनता पार्टी हैं जिसने तो ाम में चुनाव से दो दिन पहले अपना नुमाइन्दा बैठा लिया और मेरे एक बुजुर्ग और माननीय सदस्य यह कहते हैं कि ऐसे कितने ही कांग्रेसी हैं जिनकी हमानते जबत हुई हैं। मैं काग्रेस को नही जानता लेकिन मै जनता पार्टी की जमानत जबत करवा के आया हूं.....

एक आवाजः कांग्रेस क्यों छोड़ दी आपने?

Mr. Speaker: Order Please. No interrruptions.

सुरेन्द्र सिंहः मैंने कांग्रेस नही छोड़ी....(ाोर)

Mr. Speaker: Order please. No interruptions.

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह इनको कैसे पता चल गया कि मैंने काग्रेस छोड़ दी । मैं आज भी कांग्रेस के सिद्धान्तों पर वि वास रखता हूं आज भी ए0 आई0 सी0 सी0 का मैंम्बर हूं। कांग्रेस ने मेरे खिलाफ कोई मैम्बर खड़ा नही किया।

Mr. Speaker: Chaudhri Surender Singh, if I may point out, what you had yourself asid just now, you are yourself indulging in that

Sh. Shurender Singh: Definitely not. But this is my duity to reply to the allegations that have been levelle4d direcvtly of indirectly------

Mr. Speaker: Then do not bother about the interruptions.

Sh. Surender Singh: I will proceed accordingly. चौधरी देवी लाल जी में आज सारे हरियाणा के लोगों ने बहुत बड़ा वि वास जाहिर किया हैं। अध्यक्ष महोदय, डाक्टर मंगल सैन जी ने आपके इस निर्विरोध चुनाव के ऊपर एक बात कही कि जब भी कोई वक्त आया, ऐमरजैंसी का या दूसरा, मेरा ख्याल यह हैं कि मेरे सम्मनित मंत्री डाक्टर मंगल सैन उस वक्त की चर्चा कर रहे थे जब आप स्पीकर थे, I am subject to correction.....

Dr. Mangal Sein: Yes.

श्री सुरेन्द्र सिंहः उस वक्त के बारे में डाक्टर साहब ने आपके बारें में यह कहा कि आप उस वक्त डरते नही थे, आप अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाते थे। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात को अच्छी तरह से जानता हूं और इसके लिये मेरा मारध्यम हैं अखबार। मैं इस सदन का पहले कभी सदस्य नहीं रहा, मैंने कभी राजनीति मैं बढ़–चढ़ कर हिस्सा नहीं लिया (हंसी) (ाोर)

चौधरी पीर चन्दः स्पीकर साहबख आन ऐ प्वांयट आफ आर्डर.....

Sh. Surender Singh: therw can bve no point of order when I am speaking and paying compliments to the Chair.

(विघ्न) मैं तो आपको कमपलीमंट पे कर रहा था।

चौधरी पीर चन्दः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह हैं कि मेरे मित्र ने अभी फर्माया कि मैंने कभी राजनीतिक मे हिस्सा नहीं लिया लेकिन सारे हरियाणा के अन्दर जो चर्चा थी वह सुरेन्द्र की थी। जब ये कहीं जाते थे तो इनके अगे एस0 पी0 की गाड़ी रहती थी और पीछे पुलिस की और बीच मे इनकी अपनी गाड़ी रहती थी। मैंने यह खुद देखा कि पहली नवम्बर को जब हरियाणा डे मनाया जा रहा था तो ऐसा ही था लेकिन ये कहते हैं कि मैंने राजनीति में कभी हिस्सा नही लिया।

Sh. Surender Singh: This is no point of order.....

Mr.Speaker: Order Please. Just for a minute, Chaudhri Surrender Singh. I am making sime observations.

देखिये चौधरी पीर चन्द जी यह प्वांयट आफ आर्डर नहीं था। I will also request the hon. Member not to go too much outside the scope of discussion. Today, the purpose of the speeeches is very different.

Sh. Surender Singh: Not the least, Sir, अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह उम्मीद रखता हूं जैसे विरोधी दल के नेता राव बीरेन्द्र सिंह ने कहा.....(ाोर)

डा0 मंगल सैनः वह विरोधी दल के नेता नहीं है.....

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, हम आपसे यह उम्मीद रखते हैं और सारा हरियाणा आपसे उम्मीद रखता हैं कि जब

कभी ऐसी आवाज आए मैं मानता नहीं हूं कि पहले कभी भ्रश्टाचार था। एक बात जनता पार्टी के सभी सम्मानित सदस्य बड़े दृढ़ नि चय से कह रहे हैं कि 'बी' हमे ाा के लिये चला गया। क्या जनता पार्टी में बी नहीं हैं, क्या हिन्दुस्तान के लागों ने जनता पार्टी को यह अधिकार सदा के लिये डी के लिये कायम कर दिया?

Mr. Speaker: Chaudhri Surender Singh, I will request you to keep yoursefl out of controversy.

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं इतना कह कर अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

चौधरी सरदार खा (नूह): स्पीकर साहब, मुझे आज बहुत खु ाी हैं कि हरियाणा असैमबली के अध्यक्ष का चुनाव इतफाक राय से हुआ हैं। मैं इसके लिये आपको मुबारिकबाद देता हूं और उम्मीद करता हूं कि आप हाउस की परम्पराओं को कायम रखेंगें।

श्री भाले राम (बड़ौदा–अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, हाउस की कार्यवाही चलोन के लिये दो चीजें जरूरी होती हैं।पहली अनु ाासन और दूसरी निश्पक्षता। जहां तक मैं समझता हूं। दोनेां चीजों को ठीक ढंग से चलाने के लिये हमारे स्पीकर साहब बिल्कुल योग्य हैं। इसके साथ–साथ मैं यह भी उम्मीद करता हूं कि हमारे पहले जो लीडर आफ दि हाउस होते थे जोकि गरीब आदमी को ठोकर मारते थे वैसी परम्परा को नहीं चलने

दिया जाएगा। इसके साथ मुझे यह भी बहुत खु ाी हैं कि आज के लीडर आफ दी हाउस ने कुछ दिन पहले यह एलान किया कि कोई भी मत्री किसी रैस्ट हाउस में नहीं ठहरेगा और न किसी बड़े आदमी की पार्टी में जाएगा। मैं भी आपके द्वारा इस सदन में वि वास दिलाता हूं कि हम जितने भी इधर के सदस्य है सब एक टीम की स्पिरिट में काम करके जनता की सेवा करेंगे और मूझे उम्मीद हैं कि हमारे स्पीकर साहब भी बहुत ही नि पक्षता से काम करेंगे। इन भाब्दों के साथ मैं आपको एक बार फिर मुबारिकबाद देता हूं।

श्री जय नारायण वर्मा (बरवाला): माननीय अध्यक्ष महोदय तथा सदस्यगण, मुझे आज इस बात पर बहुत हार्दिक प्रसन्नता हो रही हैं कि दे ा ने अपने बूरे दिनों से पलटा खाया और दे ा का भविश्य और दे ा की जनता की आने वाली कुछ उम्मीदें फिर से कुछ उज्जवल हुई हैं इसके लिये मैं सारे दे ा के माध्यम से जहां आज के सभापति महोदय का अभिवादन करता हूं उसके साथ ही एक कु ाल नेता का अभिवादन भी करता हूं। इसके साथ ही सब से बड़ी बात यह है ंकि हम उस लोक नायक जय प्रका ा नारायण के प्रति यहां पर हार्दिक आभार व्यक्त करें जिन्होंने सम्पूर्ण क्रांति का स्वप्न महात्मा गांधी के साथ देखा था। उस सम्पूर्ण क्रांति का दूसरा चरण आज पूर्ण हुआ हैं। पहला चरण उस दिन पूरा हुआ थसा जिस दिन इस दे ा के नेता नजर बन्दी और अखबार कल्मबन्दी से मुक्त होकर जनता के सामने आए थे

और दूसरा महान चरण आज पूरा कर पाए हैं। इस दे ा की महान जनता ने अपने प्रतिनिधियों में इतना महान वि वास व्यक्त करते हुए इस प्रदे ा के महान सदन के अन्दर भारी बहुमत से हमें प्रतिनिधियों के रूप में भेजा हैं। इससे भी ज्यादा मान हमें इस बात का हैं कि जनता पार्टी ने इस सदनल में और इस राज्य की परम्पराओं में जिन मूल्यों का प्रतिश्ठापन करने का प्रयास किया हैं उस प्रयास के लिये जनता पार्टी को और इस दे ा के राज्यों के नागरिकों को हम सब लोग बधाई दें। हम अपने आप पर इस बात में न रह जांए कि हम लोग कुछ हैं। यह विधि का विधान कुछ ऐसा हैं कि अब दे ा का भविश्य हमसे ऐसी उम्मीद करता हैं इसलिये हमें अपनी जनता के प्रति सजग रहना चाहिये। जिस जनता ने हमें इतनी निश्ठा और श्रद्धा से प्रबली बहुमत देकर इस सदन में बैठाया हैं हम उस जनता की अपेक्षाओं को, अकांक्षओं को अपनी पूरी श्रद्धा से और पूरी निश्ठा से लाभन्वित कर पाएं ऐसा हमारा प्रयास रहेगा। इस बात के लिये हम सजग रहेंगें कुछ लोग ऐसा कहते हैं जो व्यक्तियों के नहीं बल्कि वर्णमालाओं के पीछे पड़े हुए हैं कि वह बी था या डी था। हमें इस हरियाणा राज्य पर पूरा गर्व हैं कि चौधरी देवी लाल ने आज हरियाणा की जनता पार्टी के विधायक दल का नेतृत्व किया हैं। हमें पूरी आ ाा करते हैं कि जनता पार्टी के विधायक दल का नेतृत्व किया हैं। हम पूरी आ ाा करते हैं कि जनता की आकांक्षाओ के अनुरूप वे सदन को , जनता पार्टी को आगे ही बढ़ाते ले जाएंगे और इस बात के लिए आ ाांए हैं और गर्व हैं।

कुछ लोगों की अदात हुआ करती हैं कि मैं न मानूं परन्तु उन्हें यह समझ क्या मनवा देती हैं आप मानने की तैयारी में रहे या न रहें लेकिन मनवाने की ताकत बहुत बढ़ा हुआ करती हैं मैं इन भाब्दो के साथ लोक नायक जय प्रका ा नारायण के प्रति अीाार प्रकट करता हू। वैसे तो चाहे यह बात यहां पर असंगत लगती हैं लेकिन जिन लोगों ने आपात् स्थिति के दौरान महान संकटां को झेला हैं और उनमे से कुछ आज हमारे बीच में नहीं हैं उनको हम महान अभिवादन पे ा कर रहे हैं क्योंकि उनकी आकाक्षाओं की पूर्ति आज जनता पार्टी के द्वारा इस दे ा में होने जा रही हैं। लोक नायक के प्रति अभिवादन के साथ अपना मस्तक नमाते हुए और इस हाउस की गरिमा को बनाए रखने के लिए मैं फिर माननीय अध्यक्ष महोदय का अभिवादन करता हूं और दल के नेंता का भी अभिवादन करता हूं।

ठाकुर वीर सिंह (भिवानी): अध्यक्ष महोदय, मैं आपको इस पद पर चुने जाने के लिए खुले दिल से बधाई देता हूं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि आपके अध्यक्ष पद पर विराजमान होने के बाद हाउस में पूरे डिस्पिलन के साथ काम चलेगा। आपका सारा कैरियर एक सैनिक का कैरियर रहा है। यहां पर भी सबसे पहला काम डिस्पिलन कायम रखने का होता है। इसीलिये यह पद आप को छांट कर दिया गया है ताकि आप हाउस में पूरा अनु ाासन रखें। मुझे इस बात की बहुत खु ाी है कि आपका और हमारे लीडर आफ दि हाउस चौधरी देवी लाल जी का जिनके बारे में

बहुत कुछ कहा गया है आप दोनों का चुनाव हाउस में यूनैनिमसली हुआ है। हम रोज अखबारों मे पढ़ते हैं चारों तरफ लीडरि ाप के लिए दौड़ धूप हो रही है लेकिन हरियाणा ही एक ऐसा प्रदे ा है जहां पर इन दोनों पदों के लिए यूनैनिमसली चुनाव हुआ है और दोनों ही पदों पर ऐसे आदमी चुने गये हैं जिन पर कोई अंगुली नहीं उठा सकता। जहां तक तरक्की के कामों की बात है इस बारे मे ंतो चौधरी देवी लाल जी ने पहले ही कह दिया है कि उनकी सरकार का पहला काम करप ान को दूर करना और खेती के लिए पानी देना है। यह दोनों बातें हो जाने के बाद हरियाणा में कोई कमी नहीं रहेगी। मैं इस नई सरकार को वि वास दिलाता हूं कि हम सारे के सारे मैंबर जिन पर 60 फीसदी से ज्यादा नय मैंबर हैं पूरे जोर के साथ इसका साथ देंगे और सरकार को चलाने में पूरा सहयोग देंगे। हमारे एक साथी राव बीरेंदर सिंह जी ने कुछ बातें कहीं और कुछ 'बी' और 'डी' की बात पैदा की (विघ्न) तो यह सारे के सारे 'बी' तो खत्म हो गये। मेरे एक साथी ने यह कहा कि उनको कहीं भी जुल्मोसित्म नजर नहीं आया। इस जुल्मोसित्म की जब हाउस में आवाज उठेगी तो आप देखगें और आपको पता लगेगा कि वह कितना खूनी राज था जो हमने उखाड़ कर फैका है। मैं तो समझता हूं कि मेरे खड़े होने के बाद सुरेन्द्र सिंह की आवाज खुद ही बन्द हो जायेगी जो कि खुद जुल्मासित्म की जिन्दा मिसाल है। तो मैं इस मौके पर ज्यादा न कहता हुआ आपको इस पद पर चुने जाने के लिए मुबारिकबाद देता हूं।

खाद्य एवं पूर्ति मंत्री (श्रीमति डाक्अर कमला वर्मा): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपको इस पद पर चुने जाने के लिए हार्दिक बधाई देती हूं। जब हरियाणा के अन्दर मुख्य मंत्री का चुनाव होना था तब भी दे ा के अन्य भागों में लोग डरते थे कि हरियाणा के लोग गर्म है इसलिये मुख्य मंत्री का चुनाव करते हुये न जाने कितनी समस्यायें पैदा हो जायेंगी लेकिन हरियाणा की जनता ने बड़ी सूझ बूझ का प्रद र्न किया और उसने दिख दिया कि व्यक्ति से अधिक पार्टी और पार्टी से भी अधिक महत्व दे ा का है। इस बात को प्रद र्ति करते हुये एकता के एक सूत्र में बन्ध कर हमने चौधरी देवी लाल के नेतृत्व को स्वीकार किया और आज भी उसी प्रकार एक उदाहरण पे ा करते हुए हरियाणा की जनता ने आपके अन्दर वि वास प्रकट किया है क्योंकि आप निश्पक्षता की मूर्ति है। इस पर आपका जो पहला कार्यकाल रहा है उसी वजह से आज आप इसके पात्र बने हैं और आप पुनः इस पद पर विरजमान हुये हैं। मुझे पूरा वि वास है कि आपके पहले कार्यकाल की तरह आपकी अध्यक्षता के नीचे यह सदन पूरी निश्पक्षता के साथ कार्य करते हुये अपना एक अच्छा प्रमाण देगा और चौधरी देवी लाल की कर्तव्य निश्ठा और दृढ संकल्प के नेतृत्व के अन्दर हरियाणा एक समृद्ध ाली प्रदे ा बनते हुये आगे से आगे बढ़ता चला जायेगा और भ्रश्टाचार की वह परम्परा जो हरियाणा की एक एक ईंट के अन्दर है वह जड़ से उखाड़ कर फैंक दी जायेगी। आप किसी भी विभाग के अन्दर चले जाओ भ्रश्टाचार की तरह तरह की महिमा गाई जाती है। असल में वह

भाासन भ्रश्टाचार का स्वरूप था जिसको उखाड़ने के लिए मैं समझती हूं भ्रश्टाचार का वह मलबा जो पिछले 9 साल के अन्दर इक्ट्ठा हुआ है उसे उठाते–उठाते भाायद जनता पार्टी के मैंबरों की कमर भी दोहरी हो जायेगी और ऐसा करने के लिए हमें आपका सहयोग चाहिये जो हमें मिलेगा। चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व के अन्दर सचमुच हम अपने हरियाणा को एक पवित्र और अनु ाासित भाासन देते हुये इस प्रदे ा को आगे ले जायेंगे। इन भाब्दों के साथ मैं आपको पुनः बधाई देती हुई अपना स्थान लेती हूं।

Mr. Speaker: Hon. Members, I am honestly most grateful for the confidence that you have reposed in me by electing me unanimously as Speaker of your august House. I can assure you that I shall certainly safeguard and enhance the dignity of this august House as also I shall look aftger, maintain and protect the rights and privileges of the Members on either side.

Some difficulties wre brought out of some of the speakers. Those shall be looked into promptly and remedial action taken at once. Also I must thank in particular the Leader of the House, Ch. Devi Lal Ji, Dr. Mangal Sein, Rao Birender Singh and Ch. Poswal as also the other Speakers, my colleagues, who have paid such high tributes and have expressed kind sentiments. It will be my pleasure to give all the cooperation to the Members, particularly to the new ones who have joined this House for the first time.

In the end, once again I thank you all for your kindness in electing me unanimously as Speaker of the august House.

अध्यक्ष द्वारा घोशणा

उपाध्यक्ष के चुनाव संबंधी

Mr. Speaker: Under Rule 10(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I, as Speaker of the Haryana Vidhan Sabha, hereby fix the 6th July, 1977 as the date for the election of Deputy Speaker.

The House stands adjourned till half-an-hour of the conclusion of the Governor's Address on Tuesday, the 5th July, 1977.

16.48 बजे

(The Sabha then adjourned till half-an-hour of the conclusion of the Governor's Address on Tuesday, the 5th July, 1977)